Setu
See education through us.
Books

NEP 2020

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.)
द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित

हिन्दी

web support
mobile application
test paper generator
QR code integration

लेखकगणः
नीता शर्मा
एम.ए. (हिंदी)
मनोहर त्रिवाणी
एम.ए. (हिंदी)

सहायक पुस्तिका
2

- शिक्षाप्रद-कहानियाँ
- शब्दार्थ
- मौखिक एवं लिखित प्रश्न

2

इंद्रधनुष

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. इंद्रधनुष वर्षाकाल में निकलता है।

2. इंद्रधनुष का अर्थ है देवराज इंद्र का धनुष।

3. इंद्रधनुष में सात रंग होते हैं।

4. इंद्रधनुष निकलने पर पानी जरूर बरसता है।

(ख) सत्य कथन के सामने (✓) तथा असत्य कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✓)।

(ग) शुद्ध उच्चारण कीजिए–

स्वयं करें।

(घ) समान अर्थ वाले शब्दों को सामने लिखिए–

उत्तर– 1.	ढका	**आच्छादित**
2.	तूलिका	**चित्र में रंग भरने का ब्रुश**
3.	सदुपयोग	**उचित प्रयोग**

(ङ) नीचे कुछ गलत वाक्य लिखे हैं, उन्हें सुधारकर लिखिए–

उत्तर– 1. आकाश बादलों से ढका हुआ था।

2. इंद्र धनुष के सात रंग बड़े ही प्यारे होते हैं।

3. रंग में भंग नहीं होना चाहिए।

4. रंगों के बिना जीवन अधूरा है।

5. वर्षा ऋतु बड़ी सुहावनी होती है।

आइए कुछ करें

(क) रंग-बिरंगा इंद्रधनुष देखने पर ऐसा लगता है कि मानो किसी चित्रकार ने अपनी तूलिका से कैनवास पर कई रंग एक साथ बराबरी से दिए हों।

(ख) इंद्रधनुष का शाब्दिक अर्थ इंद्र का धनुष होता है।

(ग) इसके निकलने पर कहावत है कि शाम के समय अथवा सवेरे पानी जरूर बरसेगा। 'धनुष पड़े बंगाली, मेह साँझ या सकाली'।

(घ) 1. बैंगनी 2. नीला 3. आसमानी

4. हरा 5. पीला 6. नारंगी
7. लाल

कल्पना की दुनिया

स्वयं करें।

हमने सीखा

स्वयं करें।

3 स्वच्छ भारत अभियान (लेख)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. प्रदूषण का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या है।

2. देश सेवा, देश के अंतः हृदय में रहते हुए आस-पास सफाई करके तथा अन्य व्यक्तियों को साफ-सफाई के लिए प्रेरित करके की जा सकती है।

3. सफाई नहीं होने पर हमें तरह-तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत दिनांक 2 अक्टूबर 2014 को राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली से की गई थी।

2. स्वच्छता के अभियान में प्रत्येक नागरिक का शामिल होना इसलिए आवश्यक है क्योंकि स्वच्छता द्वारा ही हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक धरोहर के रूप में शुद्ध भारत दे सकेंगे।

3. हमें देश के एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते इसमें बढ़-चढ़ कर श्रम की पूर्ण आहुति देनी व अपने परिचित व्यक्तियों को इस स्वच्छ अभियान के लिए प्रेरित करना चाहिए। हमारी सहभागिता के बिना अभियान अधूरा है ये हम सभी की तरफ से अपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(ग) पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– 1. प्रदूषण व गंदगी के चलते **स्वच्छता** अभियान प्रारंभ किया गया।

2. **2 अक्टूबर, 2014** को स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत दिल्ली से की गई।

3. यदि हम और आप इस महायज्ञ में शामिल नहीं होते तो ये **महायज्ञ** अधूरा रह जाएगा।
4. जैसे हम अपनी सफाई करते हैं वैसे ही घर से पहले अपने आस पास व गली **मौहल्लों** की सफाई करें।
5. आप बढ़-चढ़कर इस महायज्ञ में अपने श्रम की पूर्ण **आहुति** दें।

(घ) पाठ के अनुसार 'सही' या 'गलत' लिखिए–

उत्तर– 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही 5. गलत

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

अच्छा	**बुरा**	रात	**दिन**	मुख्य	**गौण**
प्रारंभ	**अंत**	गलत	**सही**	अधूरा	**पूरा**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के दूसरे नाम लिखिए–

उत्तर–

गंदगी	**अशुद्धि**	**मैला**	अभियान	**मुहिम**	**कर्मावधि**
कर्म	**कार्य**	**काम**		

(ग) निम्नलिखित शब्दों से अपने शब्दों में नए वाक्य बनाइए–

उत्तर– राष्ट्रीय – हमारे **राष्ट्रीय ध्वज** में तीन रंग हैं।

महायज्ञ – स्वच्छ अभियान रूपी **महायज्ञ** में हमें अपनी पूर्ण आहुति देनी चाहिए।

जनसंख्या – पर्यावरण प्रदूषण का एक कारण **जनसंख्या** वृद्धि भी है।

समक्ष – यक्ष ने उर्वशी के **समक्ष** विवाह का प्रस्ताव रखा।

जरा सोच समझकर बताइए–

उत्तर– (अ) स्वयं कीजिए (ब) स्वयं कीजिए

आइए कुछ करें

1. स्वयं करें।
2. स्वयं करें।
3. **हमें चारों ओर साफ-सफाई रखनी चाहिए, इस विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।**

उत्तर– (क) अपने चारों ओर सफाई रखने से वातावरण शुद्ध रहता है।

(ख) सफाई रखकर हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ भारत बना हुआ दे सकते हैं।

(ग) स्वच्छ वातावरण में रहने से हमारे विचार भी स्वच्छ होंगे।

(घ) स्वच्छता रखने से हमें तरह-तरह की बीमारियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

(ङ) स्वच्छता रखने के लिए हमें प्रत्येक नागरिक को सफाई के लिए अग्रसर करना होगा।

4. सफाई निम्न स्तरों पर की जानी चाहिए–

उत्तर– सफाई निम्न स्तरों पर की जानी चाहिए–घरेलू स्तर पर, गली मौहल्ले के स्तर पर, गाँव व कस्बे के स्तर पर, शहर के स्तर पर, जिले के स्तर पर, राज्य के स्तर पर तथा देश के स्तर पर।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

कलात्मक ढंग से लिखकर रंगों से सजाइए– स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत

उत्तर– स्वयं करें।

4 हवा और सूरज (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. 'सूरज की पूजा करना' हवा को बहुत बुरा लगता था।

2. सूरज और हवा के बीच इस बात को लेकर बहस होती है कि 'हममें से कौन बड़ा है।'

3. हवा कहती है कि, ''यदि मैं वर्षा न करूँ तो दुनिया के सारे पेड़-पौधे सूख जाएँ।''

4. सूरज ने हवा के सामने यह प्रस्ताव रखा कि ''हम दोनों में से जो भी इस यात्री का कंबल उतरवा देगा, वही शक्तिशाली और बड़ा माना जाएगा।''

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सूरज कहता है कि, ''संपूर्ण पृथ्वी मेरे प्रकाश से प्रकाशित है। मैं सारी पृथ्वी की ऊष्मा का एकमात्र स्रोत हूँ और अगर मैं तप कर पानी को भाप न

बनाऊँ तो बादल कहाँ से बनेंगे।''

2. हवा अपनी शक्ति का प्रदर्शन करती हुई कहती है कि, ''प्रचंड तूफान बनकर मैं पेड़-पौधों को जड़ से उखाड़ फेंक सकती हूँ। समुद्र में बड़े-से-बड़े जहाज़ को डुबो सकती हूँ। टॉर्नेडो बनकर बड़ी-से-बड़ी इमारतों को भी ध्वस्त कर सकती हूँ।''
3. व्यक्ति ने अपना कंबल तब उतारा जब उसे गर्मी लग रही थी, क्योंकि वह सूरज की तेज किरणों को सह नहीं पा रहा था।
4. सूरज वातावरण की सच्चाई का वर्णन करते हुए कहता है कि इस वातावरण में न कोई बड़ा है और न कोई शक्तिशाली, बल्कि हम लोग समान हैं और समय व परिस्थिति के अनुसार सबका अलग-अलग महत्त्व है।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–	ईर्ष्या	**प्रेम**	मंद	**तेज**	प्रशंसा	**बुराई**
	प्रकाश	**अंधकार**	ठंड	**गर्मी**	पराजय	**जय**
	कम	**ज्यादा**	सच्ची	**झूठी**		

(ख) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–	सूरज	**सूर्य**	**भास्कर**	हवा	**वायु**	**पवन**
	वर्षा	**बारिश**	**वर्षण**	पेड़	**वृक्ष**	**तरु**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए

उत्तर– 3. स्वयं कीजिए

4. वर्णों में तुमने श, ष, स वर्ण पढ़े हैं। श् + र बनता है श्र तो श् + ऋ बनता है शृ। श्र तथा शृ से बनने वाले इन शब्दों को पढ़ो और दो-दो शब्द लिखो–

उत्तर–	श्र	–	श्रीमान	श्रमिक	**श्रमदान**	**श्रम**
	शृ	–	शृंखला	शृंग	**शृंगार**	**शृंगारिका**

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

5 नकलची बंदर (नाटक)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** पेड़ पर बैठे बंदर लकड़ी चीरने वाले बढ़ई को देख रहे थे।

2. रामदास बरगद के पेड़ के बारे में यह कहता है कि, ''बरगद का वृक्ष बहुत घना है।''

3. पूँछ लकड़ी में फँस जाने के कारण पहला बंदर जोर-जोर से चिल्ला रहा था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** हरिचरण लकड़ी के लट्ठे में कील ठोंकता है।

2. बंदर आपस में लकड़ी काटने की सलाह करते हैं।

3. लकड़ी के लट्ठे से पूँछ निकालने पर बंदर रामदास और हरिचरण को धन्यवाद देता है।

(ग) निम्नलिखित अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए–

उत्तर– **1.** लकड़ी काटते-काटते **कितना पसीना आ रहा है**।

2. चलो, लकड़ी के लट्ठे **में बड़ी-सी कील ठोंक दें**।

3. लकड़ी काटने वाले बंदरों **का शोर देखकर भागते हुए आते हैं**।

4. यह ज़रूर हमारे काम से **छेड़खानी करने आया होगा**।

(घ) किसने, किससे कहा, लिखिए–

उत्तर– **1.** हरिचरण ने रामदास से **2.** रामदास ने हरिचरण से

3. पहले बंदर ने दूसरे बंदर से **4.** हरिचरण ने रामदास से

भाषा-बोध

(क) उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–
- गरमी → सरदी
- सूखा → गीला
- आज → कल
- इधर → उधर
- नकल → असल

(ख) शुद्ध शब्द पर सही (✓) का और अशुद्ध शब्द पर गलत (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर– चीरना (✓) चिरना

किल कील (✓)

अराम — आराम (✓)

शोर (✓) — शौर

बँदर — बंदर (✓)

(ग) उदाहरण के अनुसार दो-दो शब्द लिखिए–

उत्तर–

क्	+	क	=	क्क	**पक्का**	**चक्का**
च्	+	च	=	च्च	**कच्चा**	**बच्चा**
ल्	+	ल	=	ल्ल	**छल्ला**	**बल्ला**
स्	+	स	=	स्स	**रस्सी**	**लस्सी**

(घ) इनके दो-दो नाम लिखिए–

उत्तर–

पानी		**जल**	**नीर**
बंदर		**वानर**	**कपि**
घड़ा		**कुंभ**	**घट**
सूरज	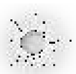	**सूर्य**	**भास्कर**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. पढ़िए और समझिए

2. स्वयं कीजिए

3. नीचे दिए गए चित्र में रंग भरो और उस पर पाँच पंक्तियाँ लिखो–

उत्तर– (क) बगीचे में एक बंदर बैठा है।

(ख) बंदर के हाथ में शीशा है।

(ग) बंदर शीशे में अपनी तस्वीर देख रहा है।

(घ) बंदर शीशे में देखकर तरह-तरह के मुँह बना रहा है।

(ङ) वह शीशे में अपनी सूरत देखकर बहुत खुश हो रहा है।

4. शब्द में छुपे शब्द को ढूँढकर लिखिए–

उत्तर– मकान — पसीना — आराम — बंदर

कान	**सीना**	**राम**	**दर**
जापान	स्वर	प्रकार	गहरा
पान	**वर**	**कार**	**हरा**

कल्पना की दुनिया

नीचे चित्रों के माध्यम से एक लोकप्रिय कहानी दिखाई गई है। इस कहानी को पहचानकर लिखिए–

उत्तर–

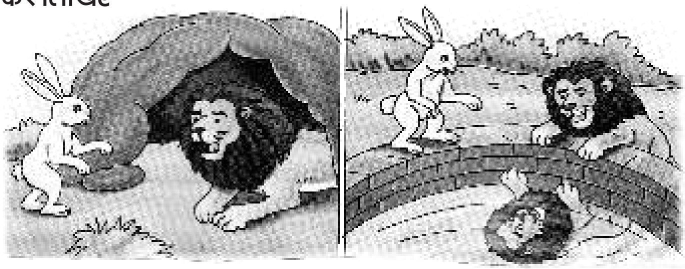

किसी वन में एक भयानक शेर रहता था। वह प्रतिदिन बहुत-से जानवर मारा करता था। धीरे-धीरे जानवरों की संख्या घटने लगी, इससे वे बहुत दुखी हुए और इकट्ठे होकर शेर के पास गए। उनमें से खरगोश ने शेर से कहा कि, महाराज! आप वन के राजा और हम आपकी प्रजा हैं। अतः प्रजा की रक्षा करना आपका कर्त्तव्य है। आप प्रतिदिन अधिक जानवरों का वध न करें। हम प्रतिदिन एक जानवर आपके पास भेज दिया करेंगे। शेर इस बात से सहमत हो गया और अब प्रतिदिन एक जानवर शेर का भोजन बनने चला जाता था। एक दिन खरगोश की बारी आई। वह धीरे-धीरे चलता रहा और रास्ते में कुछ सोचता गया। वह बहुत देर से शेर के पास पहुँचा। शेर उसको देखकर अत्यधिक क्रोधित हो उठा और बोला–क्यों रे मूर्ख खरगोश! तुम इतनी देर से क्यों आए हो? खरगोश डर गया और बोला, महाराज! मैं तो सुबह ही आपके पास आ जाता परंतु रास्ते में मुझे एक और शेर मिल गया और वह मुझसे बोला कि, ''मैं ही वनराज हूँ। जा अपने स्वामी से जाकर कह दे कि आज तू मेरा भोजन है।'' इसलिए मुझे देर हो गई। अब आप जैसा उचित समझें। यह सुनकर शेर ने क्रोधित होते हुए कहा, ''चल मेरे साथ और दिखा कौन है जो अपने आप को वन का राजा कहता है।'' खरगोश शेर को कुएँ पर ले गया और बोला, ''महाराज, कुएँ में देखिए। जब शेर ने कुएँ में झाँककर देखा तो उसे पानी में अपनी ही परछाई दिखाई दी जिसे उसने दूसरा शेर समझा और उसे मारने के लिए तुरंत

पानी में छलाँग लगा दी तथा पानी में डूबकर मर गया। खरगोश ने खुश होकर यह सारा हाल अपने साथियों को सुनाया। वे उस बुद्धिमान खरगोश की बहुत प्रशंसा करने लगे।''

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

6 तितली (कविता)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** तितली फूल और कली पर इठलाती फिरती है।

2. तितली के पंख चंचल हैं।

3. उपवन में तितली डालियों, फूलों व पत्तों पर बैठकर, इधर-उधर उड़कर धूम मचाती है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** सुंदर फूलों की रानी तितली है।

2. तितली के पंखों में लाल, हरे, बैंगनी, बंसती, काले और नीले तथा पीले रंग दिखाई देते हैं।

3. तितली फूल के रस पर रुककर अपना मन बहलाती है।

4. उपवन में बहुत-से हरे-भरे पेड़-पौधे लगे हैं, जिनमें अलग-अलग प्रकार और रंग के फूल खिले हैं, जो देखने में बहुत ही सुंदर लग रहे हैं। ये रंग-बिरंगे फूल उपवन की शोभा में चार-चाँद लगा रहे हैं। ये सभी उपवन की शोभा को बढ़ा रहे हैं।

(ग) कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी करो–

उत्तर– **1.** यह सुंदर **फूलों की रानी**
धुन की मस्त दीवानी,
हरे-भरे **उपवन में आई**
करने को मनमानी।

2. कभी फूल के **रस पराग पर**
रुक कर जी बहलाती,
कभी कली पर **बैठ, न जाने**
गुप-चुप क्या कह जाती!

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

उत्तर– भावार्थ–

1. यह सुंदर फूलों की रानी अपनी धुन में मस्त और दीवानी है।
2. इसने उद्यान में आते ही बहुत धूम मचा दी है।
3. डालियों और पत्तों पर यह उड़ती फिर रही है।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

फूल	**पुष्प**	**सुमन**	सुंदर	**प्यारा**	**रमणीय**
उपवन	**बाग**	**बगीचा**	पात	**पत्ता**	**पत्र**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

फूल	**काँटा**	चंचल	**शांत**
सुंदर	**कुरूप**	ऊँची	**नीची**
रुकना	**चलना**	बैठना	**उठना**

(ग) वर्णों को मिलाकर लिखिए–

उत्तर–

क् + आ + र् + य् + अ = **कार्य**
व् + अ + र् + ष् + आ = **वर्षा**
क् + अ + र् + म् + अ = **कर्म**
व् + अ + र् + ण् + अ = **वर्ण**
म् + आ + र् + ग् + अ = **मार्ग**

(घ) वचन बदलिए–

उत्तर–

तितली	**तितलियाँ**	कली	**कलियाँ**
रानी	**रानियाँ**	डाल	**डालियाँ**
नदी	**नदियाँ**	गली	**गलियाँ**

(ङ) समान तुकवाले शब्द लिखिए–

उत्तर–

फूल	**भूल**	मस्त	**पस्त**
आई	**लाई**	रंग	**भंग**

धूम **घूम** कली **गली**

आइए कुछ करें–

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए

2. स्वयं कीजिए

3. इन कीटों को पहचानकर इनके नाम लिखिए–

उत्तर–

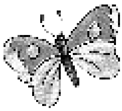
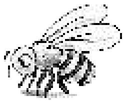

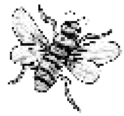

तितली मधुमक्खी टिड्डा कॉकरोच मक्खी

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

7 तीन सहेलियाँ (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. मछलियाँ सरोवर में रहती थीं।

2. पहली मछली समझदार थी।

3. मछुआरों ने तीन मछलियों को देखकर कहा कि, ''काश! हम आज अपना जाल साथ लाए होते!''

4. तीसरी मछली जाल से बाहर आने के लिए उछलने-कूदने लगी।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. दूसरी मछली सूझ-बूझ वाली थी, किंतु उसे ज्यादा सोच-विचार करना अच्छा नहीं लगता। वह अपनी सूझ-बूझ से तुरंत निर्णय लेती थी।

2. पहली मछली ने विपत्ति से बचने के लिए सुझाव दिया कि, ''हमें शीघ्र ही

नहर के रास्ते दूसरे सरोवर में चले जाना चाहिए।''

3. दूसरी मछली ने अपना जीवन बचाने के लिए अपने शरीर को ऐसा बना लिया जैसे वह मर गई हो। मछुआरे ने दूसरी मरी हुई मछलियों के साथ उसे भी निकालकर एक ओर फेंक दिया। वह मछुआरों की नजर बचाकर धीरे-धीरे खिसकती हुई फिर से सरोवर में पहुँच गई। पानी का स्पर्श पाते ही उसकी जान में जान आ गई और वह तेजी से तैरती हुई सरोवर के दूसरे कोने में चली गई।

भाषा-बोध

(क) उदाहरण के अनुसार वर्ण-विच्छेद करो–

उत्तर–

मछली	**म् + अ + छ् + अ + ल् + ई**
सरोवर	**स् + अ + र् + ओ + व् + अ + र् + अ**
मछुआरा	**म् + अ + छ् + उ + आ + र् + आ**
समझदार	**स् + अ + म् + अ + झ् + अ + द् + आ + र् + अ**

(ख) चित्र देखकर दो-दो विशेषण शब्द लिखिए–

उत्तर–

विशाल सरोवर
गहरा सरोवर

सुंदर मछली
विचित्र मछली

ऊँचा पर्वत
विशाल पर्वत

बड़ा वृक्ष
हरा वृक्ष

(ग) दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

मछली	**मीन**	**मत्स्य**	पानी	**जल**	**वारि**
सरोवर	**तालाब**	**ताल**	घर	**गृह**	**आलय**

(घ) सही स्थान पर अनुस्वार (ं) का प्रयोग कर शब्दों को दोबारा लिखिए–

उत्तर–

आनद	**आनंद**	गभीर	**गंभीर**
मगल	**मंगल**	परतु	**परंतु**
जगल	**जंगल**	सगत	**संगत**

(ङ) दिए गए संयुक्ताक्षरों से दो-दो शब्द बनाइए–

उत्तर–

द्व	द्वारा	**हरिद्वार**	**द्वार**
स्त	अस्त	**मस्त**	**सस्ता**
श्य	अवश्य	**दृश्य**	**अस्पृश्यता**
न्त	अंत	**संत**	**महंत**

आइए कुछ करें–

1. स्वयं कीजिए

2. स्वयं कीजिए

3. **मछली पकड़ने वाले को 'मछुआरा' कहते हैं। इन्हें क्या कहते हैं? लिखिए–**

उत्तर– (i) जलचर (ii) वन्य जीव (iii) थलचर (iv) चरवाहा

4. **मुसीबत के समय आदमी को सूझ-बूझ से काम क्यों लेना चाहिए? अपने विचार प्रकट कीजिए।**

उत्तर– मुसीबत के समय आदमी को सूझ-बूझ से काम लेना चाहिए, क्योंकि विपत्ति के समय सूझ-बूझ से लिया गया निर्णय कभी गलत नहीं होता।

5. **मछली के जीवन पर आधारित कोई अन्य कहानी लिखिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए

6. **तुम्हें तीसरी मछली में कौन-सी बुराई नजर आई और क्यो? लिखिए।**

उत्तर– तीसरी मछली में भाग्यवादिता की बुराई थी, क्योंकि वह भाग्य पर विश्वास करने के कारण कर्म करना व्यर्थ समझती थी।

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

8 होली का त्योहार (निबंध)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) **निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–**

उत्तर– **1.** होली का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

2. हिरण्यकश्यप के पुत्र का नाम प्रहलाद था।

3. होलिका हिरण्यकश्यप की बहन थी। उसे आग में न जलने का वरदान मिला हुआ था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** हिरण्यकश्यप घोर नास्तिक राजा था। वह भगवान की पूजा नहीं करता था और खुद को ही भगवान समझता था। उसके राज्य में जो भी ईश्वर की उपासना करता, वह उसे मृत्यु की सजा देता था।

2. हिरण्यकश्यप प्रहलाद को इसलिए मारना चाहता था, क्योंकि वह चाहता था कि प्रहलाद विष्णु भगवान की नहीं, उसकी (हिरण्यकश्यप की) पूजा करे।

3. 'धुलेड़ी' (दुल्हेड़ी) होलिका-दहन के अगले दिन मनायी जाती है। इस दिन सभी लोग एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर, रंगीन पानी में भिगोकर खूब हँसते-गाते हैं और आनंद उठाते हैं। इस दिन छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का कोई भेदभाव नहीं रहता।

4. ब्रज की होली की प्रमुख विशेषता यह है कि वहाँ की होली एक सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है और गाँव-गाँव, नाच, गाने, झांझ, मजीरे की सुमधुर ध्वनि से गूँज उठते हैं।

(ग) पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– **1.** हिरण्यकश्यप घोर **नास्तिक राजा** था।

2. परंतु प्रहलाद तो दिन-रात **विष्णु** के नाम का ही जाप करता था।

3. **होलिका** को आग में न जलने का वरदान मिला हुआ था।

4. होलिका-दहन के अगले दिन **धुलेड़ी** का दिन आता है।

5. **ब्रज** की होली का अपना निराला रंग होता है।

भाषा-बोध

(क) उदाहरण के अनुसार शब्द लिखिए–

उत्तर– न्	+	न	=	न्न	**प्रसन्न**	**अन्न**	**संपन्न**
ल्	+	ल	=	ल्ल	**पल्ला**	**बल्ला**	**गल्ला**
ब्	+	ब	=	ब्ब	**डिब्बा**	**गब्बर**	**मुरब्बा**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन शब्द लिखिए–

उत्तर– कथा	**कथाएँ**	बहन	**बहनें**
रात	**रातें**	बच्चा	**बच्चे**
फसल	**फसलें**	गुब्बारा	**गुब्बारे**

(ग) उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

प्रसन्नता	खुशी, हर्ष
त्योहार	उत्सव, पर्व
भगवान	ईश्वर, परमात्मा
पुत्र	बेटा, आत्मज
राजा	नृप, नरेश

आइए कुछ करें–

(क) स्वयं कीजिए

(ख) चित्र को देखकर कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

उत्तर– आई होली, छूटी पिचकारी
रंगों की है शोभा **न्यारी** ।
प्यार का उड़ा हर ओर गुलाल
रंगों से रंग गई दुनिया सारी।

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

9 आज़ाद पक्षी (संस्मरण)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** लेखक का घर बहुत बड़ा था।

2. मँझली भाभी को चिड़ियाँ पालने का शौक पैदा हुआ।

3. पक्षियों को स्वतंत्र करने की बात कहने पर लेखक की भाभी ने लेखक को डाँटा।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** आकाश में पक्षियों की डार देखकर लेखक यह सोचता था कि ऐसा लगता है मानो पक्षी हमारी पतंगों के साथ होड़ लगा रहे हों कि कौन ऊँचा उड़ता है।

2. बंद पिंजरों में चीखतीं-चिल्लातीं, पंख फड़फड़ाती रंग-बिरंगी चिड़ियों की

आवाजें सुनकर लेखक का मन दुःखी होता था।

3. परिवार वालों के डाँटने पर भी लेखक खुश इसलिए था, क्योंकि उसने बंद पक्षियों को आजाद कर दिया था।

(ग) सही (✓) का निशान लगाइए–

उत्तर– **1.** पतंग उड़ाया करते थे **2.** पिंजरे में बंद पक्षी

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध वर्तनी में लिखिए–

उत्तर–

पींजरा	**पिंजरा**	प्रसंशा	**प्रशंसा**
मंझली	**मँझली**	अनूचित	**अनुचित**
विनति	**विनती**	सिकायत	**शिकायत**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

बड़ा	**छोटा**	स्वतंत्र	**परतंत्र**
शौक	**अरुचि**	प्रशंसा	**निंदा**
बंद	**खुला**	उचित	**अनुचित**

(ग) पाठ से आठ संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर–

घर	भाभी	सहेलियाँ	पक्षी
पतंग	पिंजरा	बरामदा	मित्र

(घ) निम्नलिखित शब्दों से अपने शब्दों में नए शब्द बनाइए–

उत्तर– शौक – महेश को पतंग उड़ाने का बहुत **शौक** है।

पिंजरा – पक्षियों को **पिंजरे** में बंद मत कीजिए।

स्वतंत्रता – **स्वतंत्रता** दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है।

आइए कुछ करें

(क) स्वयं कीजिए

(ख) चित्र को देखकर उदाहरण के अनुसार एक वाक्य लिखो–

उत्तर– बच्चों को पेड़ों के बीच ठंडी-ठंडी हवा में दूर तक पतंग उड़ाना अत्यंत प्रिय लगता है।

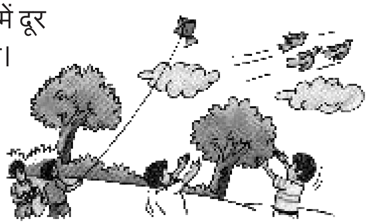

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए।

10 सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. राजा हरिश्चंद्र अपनी प्रजा में दया, परोपकार तथा सत्य आदि गुणों के लिए प्रसिद्ध थे।

2. विश्वामित्र ने राजा हरिश्चंद्र से दक्षिणा के रूप में एक हजार स्वर्ण मुद्राएँ माँगीं।

3. रानी तारामती और रोहिताश्व को एक ब्राह्मण ने पाँच सौ स्वर्ण मुद्राओं में खरीदा।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. देवगण राजा हरिश्चंद्र की परीक्षा उनकी सत्यवादिता और दानशीलता को जाँचने के लिए लेना चाहते थे।

2. राजा हरिश्चंद्र को स्वयं को तथा अपनी पत्नी और बच्चे को इसलिए बेचना पड़ा, क्योंकि उन्हें मुनि विश्वामित्र को दक्षिणा के रूप में एक हजार स्वर्ण मुद्राएँ देनी थीं। जबकि वे अपना सर्वस्व स्वप्न में ही दान कर चुके थे।

3. एक विषैले साँप के डस लेने से रोहिताश्व की मृत्यु हुई।

4. अंत में विश्वामित्र ने राजा हरिश्चंद्र को उनका राज-पाट वापस मिलने तथा रोहिताश्व को पुनः जीवित होने का आशीर्वाद दिया।

(ग) पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– 1. प्राचीन काल में **हरिश्चंद्र** नाम के एक राजा थे।

2. हरिश्चंद्र तो स्वप्न में ही अपना सर्वस्व **दान** कर चुके थे।

3. हरिश्चंद्र **श्मशान घाट** में आने वाले शव के परिवार वालों से कर वसूल करते थे।

4. मुनि विश्वामित्र के **आशीर्वाद** से रोहिताश्व पुनः जीवित हो गया।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

प्राचीन	**आधुनिक**	सत्य	**असत्य**
राजा	**रंक**	खरीद	**बेच**

जन्म	**मरण**	प्रशंसा	**बुराई**
न्याय	**अन्याय**	आधा	**पूरा**

(ख) स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग बताओ–

उत्तर–

राजा	**पुल्लिंग**	पुत्र	**पुल्लिंग**
प्रजा	**स्त्रीलिंग**	दक्षिणा	**स्त्रीलिंग**
मुद्रा	**स्त्रीलिंग**	साँप	**पुल्लिंग**

(ग) निम्नलिखित शब्दों को देखकर तीन-तीन बार लिखिए–

उत्तर–

प्रजा	**प्रजा**	**प्रजा**	**प्रजा**
दानशीलता	**दानशीलता**	**दानशीलता**	**दानशीलता**
स्वप्न	**स्वप्न**	**स्वप्न**	**स्वप्न**
हरिश्चंद्र	**हरिश्चंद्र**	**हरिश्चंद्र**	**हरिश्चंद्र**
विषैला	**विषैला**	**विषैला**	**विषैला**
श्मशान	**श्मशान**	**श्मशान**	**श्मशान**

(घ) निम्नलिखित शब्दों का उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

काल	मजबूर
प्रजा	सोना
स्वप्न	समय
स्वर्ण	लाश
शव	सपना
विवश	जनता

(मिलान: काल → समय, प्रजा → जनता, स्वप्न → सपना, स्वर्ण → सोना, शव → लाश, विवश → मजबूर)

(ङ) उदाहरण के अनुसार तीन-तीन शब्द लिखिए–

उत्तर–

द् + ध = द्ध	**युद्ध**	**प्रसिद्ध**	**शुद्ध**
न् + त = न्त	**सन्त**	**अनन्त**	**प्रान्त**
प् + न = प्न	**स्वप्न**	**द्विस्वप्न**	**दिवास्वप्न**
स् + व = स्व	**स्वस्थ**	**स्वर**	**स्वभाव**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. पढ़िए और समझिए **2.** स्वयं कीजिए **3.** स्वयं कीजिए

4. सत्यवादिता और दानशीलता को विषय बनाकर एक लघु अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर– सत्यवादिता और दानशीलता दो ऐसे गुण हैं, जो किसी मानव की वास्तविक पहचान हैं और जो उसे सही अर्थों में सच्चा मनुष्य बनाते हैं। सत्यवादिता का

अर्थ है कि हमें प्रत्येक स्थिति में सत्य का साथ देना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में सत्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। सत्य का मार्ग कठिनाइयों से तो अवश्य भरा हुआ है, परंतु यही सच्चा मार्ग है। सत्यवादिता की तरह ही दानशीलता भी मनुष्य का नैसर्गिक गुण है। हमें यथासंभव और कभी-कभी अपनी सामर्थ्य से बढ़कर दान देना चाहिए, जिससे उन लोगों का भला हो सके जो सभी प्रकार से असहाय हैं।

5. स्वयं कीजिए

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

11 सच्चा मित्र (कविता)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** बगुला मछली पर आँख गड़ाए हुए था।

2. बाहर की अनोखी हवा देखने के लिए मछली जल से बाहर आने की सोचती है।

3. तट पर निकल आने पर मछली बगुले का शिकार बन गई।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** मेढक मछली रानी को समझाता है कि मछली तुम पानी से बाहर मत निकलना, क्योंकि बाहर तट पर बगुला और केंकड़ा टकटकी बाँधे तुम्हें अपना शिकार बनाने के लिए तैयार खड़े हैं।

2. मछली मेढक की बात को अनसुनी इसलिए कर देती है, क्योंकि उसे यह लगता है कि मेढक उससे जलता है।

3. सच्चे मित्र की सलाह न मानने वाला हमेशा धोखा ही खाता है।

(ग) कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

उत्तर– **1.** मारी डुबकी **जब मछली ने**
तट पर झट से आई,
ध्यान लगाए **उसे किनारे**
बगुला पड़ा दिखाई।

2. सच्चे मित्रों **की सलाह**
की जो अनदेखी करता,
उस मछली **की तरह किनारे**
पर है आकर मरता।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–	शोर	**कोलाहल**	दुश्मन	**शत्रु**
	घात	**प्रहार**	अनोखी	**विचित्र**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–	दुश्मन	**मित्र**	दिन	**रात**
	अपना	**पराया**	ज़िंदा	**मृत**
	बाहर	**अंदर**	मूक	**वाचाल**

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

उत्तर–	मछली	**मछलियाँ**	पौधा	**पौधे**
	बगुला	**बगुले**	रानी	**रानियाँ**
	केंकड़ा	**केंकड़े**	किनारा	**किनारे**

(घ) निम्नलिखित शब्दों पर (ु) या (ू) की मात्रा लगाकर शब्दों को दोबारा लिखिए–

उत्तर–	बगला	**बगुला**	दश्मन	**दुश्मन**
	धप	**धूप**	बहत	**बहुत**
	डबकी	**डुबकी**	मक	**मूक**
	फल	**फूल**	पल	**पुल**

आइए कुछ करें

1. स्वयं कीजिए
2. स्वयं कीजिए
3. **दी गई वर्ग-पहेली में से जलीय जंतुओं के नाम ढूँढकर लिखो–**

उत्तर–

सि	म	ग	र	अ
ता	छ	c	के	श्‍
रा	ली	हे	क	व
मी		ल	ड़ा	मी
न	मे	ढ	क	न

सितारामीन मछली अश्‍वमीन

मगर व्हेल

मेढक केकड़ा

कल्पना की दुनिया

अगर मछली मेढक की बात पर ध्यान देती तो क्या घटना नहीं घटती? बताओ।

उत्तर– अगर मछली मेढक की बात पर ध्यान देती तो मछली बगुले का शिकार कभी नहीं बनती।

हमने सीखा

पढ़िए और समझिए

12 स्वच्छता-स्वास्थ्य का आधार (लेख)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. स्वस्थ मनुष्य ही सुखों का भोग कर सकता है।

2. 'स्वच्छता' अच्छे स्वास्थ्य का आधार है।

3. पौष्टिक भोजन हमें स्वस्थ और हृष्ट-पुष्ट बनाता है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. गंदगी से शरीर में कीटाणु पलते हैं, यही कारण है जब गंदगी रोगों का कारण बनती है।

2. आँखों की तंदुरुस्ती के लिए हमें गंदे हाथों से इन्हें कभी नहीं मसलना चाहिए। दिन में दो-तीन बार ठंडे पानी के छींटे डालकर इन्हें धो लेना चाहिए। किताबों को बहुत पास से या लेटकर नहीं पढ़ना चाहिए तथा बहुत अधिक अथवा लगातार टी॰वी॰ कभी भी नहीं देखना चाहिए। इस प्रकार इन कुछ बातों को ध्यान में रखकर हम अपनी आँखों को तंदुरुस्त रख सकते हैं।

3. दाँतों की स्वच्छता इसलिए आवश्यक है, क्योंकि यदि दाँतों में गंदगी जमा

रहेगी तो वहाँ सड़न पैदा हो जाती है तथा दाँतों में कीड़े भी लग जाते हैं। यही कीटाणु भोजन के साथ पेट में जाकर तरह-तरह के रोग पैदा करते हैं। अतः दाँतों को स्वच्छ रखना अति आवश्यक है।

4. हमारे आस-पास यदि गंदगी होती है, तो ये मच्छर और मक्खियाँ उस गंदगी पर बैठते हैं, जिससे उस गंदगी के कीटाणु उनके पैरों पर चिपक जाते हैं और यदि फिर मच्छर या मक्खी हमारे खाने पर बैठते हैं तो ये उन कीटाणुओं को उस खाने पर छोड़ देते हैं। उस दूषित खाने को खाने से मनुष्य रोगी हो जाता है, क्योंकि वह कीटाणु खाने द्वारा हमारे शरीर में जाकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिससे हमारे शरीर में अनेक बीमारियाँ उत्पन्न हो जाती हैं।

(ग) पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– 1. **स्वस्थ** मनुष्य ही पृथ्वी पर सुखों का उपभोग कर सकता है।
2. सबसे बड़ा सुख है **नीरोगी** काया।
3. स्नान करने से **सारी गंदगी** धुल जाती है।
4. हमें आस-पास की **स्वच्छता** पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए।
5. खाने से पहले और बाद में अच्छी तरह **हाथ** धोना भी आवश्यक है।

(घ) निम्नलिखित शब्दों से अपने शब्दों में नए वाक्य बनाइए–

उत्तर– अस्वस्थ – **अस्वस्थ** शरीर मनुष्य को चिड़चिड़ा बना देता है।
शुद्ध – हमें हमेशा **शुद्ध** व ताजा भोजन ही खाना चाहिए।
नियामत – तंदुरुस्ती हजार **नियामत** है।
दुश्मन – वक्त पड़ने पर **दुश्मन** को भी मित्र बनाना पड़ता है।
शिथिल – रोगी व्यक्ति का शरीर **शिथिल** पड़ता जा रहा था।
पौष्टिक – **पौष्टिक** भोजन शरीर को स्वस्थ बनाता है।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

स्वस्थ	**अस्वस्थ**	सुख	**दुख**	अंदर	**बाहर**
कमजोर	**बलवान**	दुश्मन	**दोस्त**	स्वच्छता	**अस्वच्छता**
प्रसन्न	**अप्रसन्न**	शुद्ध	**अशुद्ध**	बहादुर	**डरपोक**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन शब्द लिखिए–

उत्तर– बच्चा **बच्चे** चीज़ **चीज़ें** किताब **किताबें**

कीड़ा	**कीड़े**	रोटी	**रोटियाँ**	मक्खी	**मक्खियाँ**
कपड़ा	**कपड़े**	दाल	**दालें**	घर	**घरों**

(ग) निम्नलिखित शब्दों को देखकर लिखिए–

उत्तर–

स्वास्थ्य	**स्वास्थ्य**	मनुष्य	**मनुष्य**	व्यर्थ	**व्यर्थ**
स्वच्छता	**स्वच्छता**	गंदगी	**गंदगी**	नियामत	**नियामत**
हरियाली	**हरियाली**	रात्रि	**रात्रि**	रोगाणु	**रोगाणु**
पौष्टिक	**पौष्टिक**	पिज्जा	**पिज्जा**	दुश्मन	**दुश्मन**

(घ) निम्नलिखित शब्दों का उचित मिलान करो–

उत्तर–

मनुष्य	नयन, चक्षु
हवा	तन, देह
हाथ	मानव, मनुज
आँख	पवन, अनिल
शरीर	कर, हस्त

आइए कुछ करें

(क) पढ़िए और समझिए

(ख) उत्तम स्वास्थ्य सुख की कुंजी है। इस विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।

उत्तर–

1. उत्तम स्वास्थ्य द्वारा मनुष्य पृथ्वी पर सभी सुखों का उपभोग कर सकता है।
2. उत्तम स्वास्थ्य होने पर मन और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ और प्रसन्न रहते हैं।
3. उत्तम स्वास्थ्य होने पर मनुष्य में प्रत्येक कार्य करने की इच्छा जाग्रत रहती है।
4. उत्तम स्वास्थ्य व्यक्ति को सुख और समृद्धि देने तथा खुश रहने की प्रेरणा देता है।
5. उत्तम स्वास्थ्य मानव की सफलता का परिचायक भी होता है।

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

13 लालच का परिणाम (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** बूढ़ा आदमी राज्य का राजा था।

2. लड़की की मधुर और प्यारी आवाज से गीत सुनकर बूढ़े आदमी ने प्रसन्न होकर उसे सोने की एक मुहर दी।

3. लड़की के पिता ने बूढ़े आदमी से दस सोने की मुहरें माँगीं।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** बूढ़ा आदमी एक गाँव से होकर गुजर रहा था।

2. बूढ़े आदमी ने लड़की के पिता को लालच देते हुए कहा कि, ''तुम मेरे साथ घर चलो, वहाँ मैं तुम्हें सौ नई मुहरें दूँगा और हाँ, जो मुहर मैंने अभी दी है, वह भी पुरानी है, तुम उसे भी लौटा दो और मेरे साथ चलो।''

3. लड़की का पिता सोने की मोहरों को एक ऐसे शानदार महल बनवाने में खर्च करना चाहता था, जिसके सामने राजा का महल भी फीका पड़ जाए।

(ग) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– **1.** आवाज़ एक झोंपड़ी के **अंदर से आ रही थी**।

2. उसने प्यार से उसकी **पीठ थपथपाई और उसे सोने की एक मुहर दी**।

3. ऐसा शानदार महल, **जिसके सामने राजा का महल भी फीका पड़ जाए**।

4. चलते-चलते वे **राजा के महल के पास पहुँच गए**।

(घ) सही (✓) का निशान लगाइए–

उत्तर– **1.** एक **2.** घिसी-पिटी

भाषा-बोध

(क) समान मिलते जुलते शब्द लिखिए–

उत्तर–

बात	**रात**	मीठी	**कोठी**
गीत	**मीत**	मज़ा	**सज़ा**
टोपी	**गोपी**	महल	**चहल**

(ख) एक वचन से बहुवचन शब्द बनाकर लिखिए–

उत्तर–

बात	**बातें**	झोंपड़ी	**झोंपड़ियाँ**
बूढ़ा	**बूढ़े**	लड़की	**लड़कियाँ**

मुहर	**मुहरें**	टोपी	**टोपियाँ**
जंजीर	**जंजीरें**	बेटी	**बेटियाँ**

(ग) निम्नलिखित शब्दों को तीन-तीन बार लिखिए–

उत्तर–

गाँव	**गाँव**	**गाँव**	**गाँव**
मुहर	**मुहर**	**मुहर**	**मुहर**
आशा	**आशा**	**आशा**	**आशा**
चालाकी	**चालाकी**	**चालाकी**	**चालाकी**
जंजीर	**जंजीर**	**जंजीर**	**जंजीर**
नम्रता	**नम्रता**	**नम्रता**	**नम्रता**

(घ) निम्नलिखित शब्दों से अपने शब्दों में नए वाक्य बनाइए–

उत्तर–

मीठी आवाज	कोयल अपनी **मीठी आवाज** से सबको अपनी ओर आकर्षित करती है।
प्यारी बेटी	श्रद्धा बहुत ही **प्यारी बेटी** है।
दयालु राजा	**दयालु राजा** ने अपनी प्रजा पर बहुत उपकार किए।
लालची आदमी	**लालची आदमी** से हमें हमेशा दूर रहना चाहिए।

(ङ) अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

जोपड़ी	**झोंपड़ी**	बुढ़ा	**बूढ़ा**
शवप्न	**स्वप्न**	मूहर	**मुहर**
आस्चर्य	**आश्चर्य**	अनंद	**आनंद**
आसा	**आशा**	धून	**धुन**
चलाकी	**चालाकी**	जँजीर	**जंजीर**

आइए कुछ करें

स्वयं कीजिए

चित्र देखकर उसके दो-दो नाम लिखो–

उत्तर–

बालिका, **लड़की**

आदमी, **व्यक्ति**

वृद्ध, **बूढ़ा**

मकान, **घर**

कल्पना की दुनिया

अगर लड़की का पिता लालच नहीं करता तो अच्छा रहता। बताओ, क्यों?

उत्तर– अगर लड़की का पिता लालच नहीं करता तो अच्छा रहता, क्योंकि तब उसको उसके कहे अनुसार सोने की दस मुहरें मिल जातीं।

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

14 पंचों का न्याय और अकबर (किस्सा)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** बादशाह अकबर के आराम में रुकावट इसलिए आ रही थी, क्योंकि वहीं पास में गड़रियों की पंचायत हो रही थी।

2. अकबर ने मन-ही-मन पंचायत की परीक्षा लेने का निश्चय किया।

3. पंचों ने बीरबल को पीपल का पेड़ बुलाकर लाने का आदेश दिया।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** बीरबल ने पंचायत की महत्ता बताते हुए कहा, ''बादशाह सलामत! पंच परमेश्वर होते हैं। पंचों के न्याय में किसी सबूत के बिना भी सच सामने आ जाता है। हम उन्हें न्याय करते समय न रोकें, तो अच्छा रहेगा।''

2. अकबर तथा बीरबल के बीच मुकदमे का कारण अकबर द्वारा बीरबल से ली गई पाँच सौ मोहरें थीं।

3. अकबर द्वारा यह बताना कि, ''पेड़ यहाँ से बीस मील दूर घने जंगल में है। बीरबल इतनी जल्दी नहीं लौट सकते।'' पंच सब कुछ समझ गए और बोले, ''पेड़ तो गवाही दे गया, बादशाह सलामत! जब आपको पता है कि पेड़ कितनी दूरी पर है तो आपने मोहरें भी जरूर ली हैं।'' इस प्रकार पंचों ने अकबर के झूठ को पकड़ा।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–	बादशाह	**गुलाम**	न्याय	**अन्याय**
	उधार	**नकद**	ठीक	**गलत**
	मान	**अपमान**	प्रसन्न	**अप्रसन्न**

(ख) दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–	बीरबल	**ब् + ई + र् + अ + ब् + अ + ल् + अ**
	मुकदमा	**म् + उ + क् + अ + द् + अ + म् + आ**
	बादशाह	**ब् + आ + द् + अ + श् + आ + ह् + अ**
	पंचायत	**प् + अं + च् + आ + य् + अ + त् + अ**
	न्याय	**न् + य् + आ + य् + अ**
	मूलधन	**म् + ऊ + ल् + अ + ध् + अ + न् + अ**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन शब्द लिखिए–

उत्तर–	गड़रिया	**गड़रियों**	मोहर	**मोहरें**
	राजधानी	**राजधानियाँ**	बात	**बातें**
	शर्त	**शर्तें**	पंचायत	**पंचायतें**

(घ) क्रिया शब्दों को स्त्रीलिंग में बदलिए–

उत्तर–	थक गया था।	**थक गई थी।**
	मनाया जाता है।	**मनाई जाती है।**
	असफल रहा।	**असफल रही।**
	विरोध करता था।	**विरोध करती थी।**
	जलकर राख हो गया।	**जलकर राख हो गई।**

आइए कुछ करें

(क) स्वयं कीजिए

(ख) स्वयं कीजिए

(ग) स्वयं कीजिए

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

15 चालाक सियार (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सियार की चिंता का कारण यह था कि कहीं उसे गाँव के कुत्तों ने देख लिया तो उसे फाड़कर खा जाएँगे।

2. सियार नीले रंग के कुंड में जा गिरा।

3. सियारों के समाज में एक रिवाज यह था कि एक निश्चित दिन पर सभी सियार एक जगह इकट्ठे होते थे।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सियार कुत्तों के डर से लुकता-छिपता, गिरता-पड़ता रँगरेजों की बस्ती में जा पहुँचा। एक रँगरेज के घर के आँगन में रंग के कुंड रखे थे। सियार भागते हुए नीले रंग के कुंड में गिर गया। उसका पूरा शरीर नीले रंग का हो गया।

2. सियार ने जंगल के जानवरों को डराते हुए कहा, "अरे, तुम सब मुझसे डरते क्यों हो? भगवान ने मुझे यहाँ तुम्हारा राजा बनाकर भेजा है। अब तुम्हें डरने की आवश्यकता नहीं है। तुम्हारी रक्षा करना मेरी जिम्मेदारी है।"

3. सियारों के समाज में एक रिवाज था। निश्चित दिन पर सभी सियार एक जगह इकट्ठे होते थे। अपने मरे हुए सगे-संबंधियों को याद करके सब सियार एक साथ जोर-जोर से रोते थे। एक दिन इसी तरह जंगल में सभी सियार इकट्ठे होकर रो रहे थे। उस समय जंगल में सियार का दरबार लगा हुआ था। वहाँ सियारों के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर राजा सियार आदत के अनुसार अपने जाति-भाइयों के साथ रोने में शामिल हो गया। इस प्रकार सियार का रहस्य खुला।

4. जंगली जानवरों ने रंगे सियार को मार डाला।

(ग) सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– 1. एक जंगल में एक **सियार** रहता था।

2. सियार भागते हुए **नीले** रंग के कुंड में गिर गया।

3. सियार समझ गया कि सभी प्राणी उससे **डरते** हैं।

4. उस समय सियार का **दरबार** लगा हुआ था।

भाषा-बोध

(क) इन शब्दों को शुदध करके लिखिए–

उत्तर– सीयार **सियार** भेड़ीया **भेड़िया** प्रकास **प्रकाश**

(ख) निम्नलिखित वाक्यों से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– 1. वह 2. उसका 3. तुम्हें 4. मेरे

(ग) निम्नलिखित पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए–

उत्तर– राजा **रानी** हिरन **हिरनी** सिंह **सिंहनी**

आइए कुछ करें

1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए

3. चित्र देखकर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– एक बार एक **गीदड़** और एक **ऊँट** तरबूज के खेत में **तरबूज** खा रहे थे। **गीदड़** तरबूज खाने के बाद गीत गाने लगा। **खेत के मालिक** ने देखा लिया और उनकी खूब पिटाई की।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

16 साहसी लड़की (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सरला के पिता जी खेतों में मजदूरी करते थे।

2. सरला की प्रशंसा सुनकर उर्मिला उससे जलती थी।

3. सरला और उर्मिला जंगल में पशु चराने जाया करती थीं।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सरला एक समझदार और होनहार लड़की थी। वह सबके काम अच्छी तरह से करती थी। सहेलियों से प्रेम-व्यवहार उसकी आदत थी।

2. जंगल में उर्मिला के साथ यह घटना घटी कि पशुओं को चराते समय एक साँप ने उसकी टाँग को दबोच लिया और उस पर रस्सी की तरह लिपटकर उसकी टाँग को कस लिया।

3. सरला ने साँप के फन पर लाठी मारी और उसके फन को पकड़कर उसका जबड़ा फाड़ दिया। इस प्रकार वह साँप के फन को कुचलने में सफल हो गई।

4. उर्मिला ने गाँववालों के सामने सरला की प्रशंसा इसलिए कि, क्योंकि सरला ने बहादुरी से अपनी जान पर खेलकर उर्मिला की जान बचाई थी।

(ग) सही वाक्य पर (✓) का और गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर– 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)।

(घ) निम्नलिखित शब्दों से अपने शब्दों में वाक्य बनाइए–

उत्तर– प्रशंसा – रिया के पिता जी रिया की **प्रशंसा** करते कभी नहीं थकते।

सहेली – मैं और मेरी **सहेली** कल शहर घूमने गए थे।

प्रसन्न – स्वस्थ रहने के लिए **प्रसन्न** रहना बहुत ही आवश्यक होता है।

ताकत – सरला ने पूरी **ताकत** से साँप का जबड़ा पकड़कर फाड़ दिया।

प्रयत्न – डॉक्टर की प्रवेश परीक्षा पास करने के लिए प्रिया ने बहुत **प्रयत्न** किया।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

प्रशंसा	**निंदा**	समझदार	**नासमझ**
प्रिय	**अप्रिय**	सुंदर	**कुरूप**
ताकत	**कमजोरी**	प्यार	**गुस्सा**
इधर	**उधर**	बुरा	**अच्छा**

(ख) (ं) और (ँ) की मात्रा लगाकर शब्दों को दोबारा लिखिए–

उत्तर–

गाव	**गाँव**	प्रशसा	**प्रशंसा**
सुदर	**सुंदर**	जगल	**जंगल**
टाग	**टाँग**	पाच	**पाँच**
मुह	**मुँह**	पसन्द	**पसंद**
जग	**जंग**	साप	**साँप**

(ग) निम्नलिखित बहुवचन शब्दों को एकवचन में बदलिए–

उत्तर–

गाँवों	**गाँव**	भैंसें	**भैंस**
लड़कियाँ	**लड़की**	गाएँ	**गाय**
सहेलियाँ	**सहेली**	साँपों	**साँप**
जबड़े	**जबड़ा**	रस्सियाँ	**रस्सी**

(घ) वर्ण और मात्राओं को जोड़कर शब्द लिखिए–

उत्तर– स + र + ल् + ा **सरला** ल + ड़ + क् + ी **लड़की**

श् + ा + ल	**शाल**	प + श् + ु	**पशु**
र + स् + स् + ी	**रस्सी**	द + ब् + ो + च	**दबोच**

आइए कुछ करें

(क) पढ़िए और समझिए

(ख) चित्रों का उनके नामों से मिलान कीजिए–

उत्तर–

भुजंग, विषधर, सर्प

बालिका, बच्ची, बाला

पादप, तरु, वृक्ष

धेनु, गौ, गाय

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए

हमने सीखा

समझिए

वर्तनी-बोध

पढ़िए और समझिए

17 शिष्टाचार

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. प्रातः उठकर अपने दादा–दादी तथा माता–पिता के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेना चाहिए तथा शौच आदि से निपटकर अपने दाँत साफ करने चाहिए।

2. हाँ सड़क पर हमेशा सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए।

3. शिष्ट व्यक्ति बनने के लिए हमें शिष्टाचार के नियमों का पालन करते हुए अपने से बड़ों का सम्मान और आदर करना चाहिए।

4. जीवों पर सदैव दया करनी चाहिए। जीव–हत्या पाप है।

5. हमें अपने देश के राष्ट्रगान व राष्ट्रध्वज का सदैव सम्मान करना चाहिए।

(ख) दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. हमें सड़क के **बाईं** ओर ही चलना चाहिए।

2. जीवों पर सदैव **दया** करनी चाहिए।

3. स्कूल **समय** पर पहुँचना चाहिए।

4. सड़क सदैव **जेब्रा** क्रॉसिंग से ही पार करनी चाहिए।

5. प्रात: **जल्दी** उठना चाहिए!

(ग) सही (✓) का निशान लगाइए–

उत्तर– 1. दाँत साफ करना 2. 'आप' कहकर 3. बाईं ओर

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित क्रिया लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. रवि अपने कपड़े धो **रहा** है। 2. घोड़ा तेज **दौड़ता** है।

3. चिड़िया आकाश में **उड़ती** है। 4. बिल्ली दूध **पीती** है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

झूठ	**सच**	पिता	**माता**
गुरु	**शिष्य**	मित्र	**शत्रु**
प्रात:	**संध्या**	समय	**असमय**
साफ	**गंदा**	गलती	**सही**

(ग) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध रूप लिखिए–

झूठ	**झूठ**	पिता	**पिता**
शिषटाचर	**शिष्टाचार**	चरन	**चरण**
पृात:	**प्रात:**	सपर्स	**स्पर्श**
दांत	**दाँत**	आर्शीवाद	**आशीर्वाद**
सुरछा	**सुरक्षा**	राषट्र	**राष्ट्र**

(घ) निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य रचना कीजिए–

शिष्टाचार	हमें **शिष्टाचार** के नियमों का पालन करना चाहिए।
अपशब्द	किसी को भी **अपशब्द** नहीं बोलने चाहिए।
प्रात:	**प्रात:** उठना शिष्टता की पहचान है।
सम्मान	हमें अपने देश का **सम्मान** करना चाहिए।
दया	जीवों पर हमेशा **दया** करनी चाहिए।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

छोटा	**छोटों**	जीव	**जीवों**
व्यक्ति	**व्यक्तियों**	पार्क	**पार्कों**
गुरु	**गुरुवों**	कार्य	**कार्यों**
वस्तु	**वस्तुओं**	बड़ा	**बड़ों**

आइए कुछ करें

स्वयं कीजिए।

कल्पना की दुनिया

स्वयं कीजिए।

हमने सीखा

समझिए।

18 गौ-माता

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** गाय समझदार और पालतू पशु है।

2. गाय के दूध से रबड़ी, खीर, मलाई और तरह–तरह की मिठाइयां बनती हैं।

3. गाय का गोबर कंडे बनाने के काम आता है।

(ख) सही सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

उत्तर– **1.** ये सभी **2.** गौ माता

(ग) पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

उत्तर– **1.** रोज सवरे **गोबर देती**
बदले में न कभी कुछ लेती।

2. इसका ऋण **है हम पर भारी**
इसकी महिमा भी है न्यारी।

(घ) निम्न पंक्तियों का अर्थ लिखिए–

1. साँझ सवेरे दूध पिलाती, – **गाय शाम और सवेरे हमें मीठा दूध पीने के लिए देती है।**

	सदा हमारा मन बहलाती।	–	**जिससे हमारा स्वस्थ मन सुख का अनुभव करता है।**
2.	इसे सदा हम याद रखेंगे,	–	**हम गाय के उपकार को हमेशा याद रखेंगे।**
	इसकी सेवा सदा करेंगे।	–	**तथा हमेशा गौमाता की सेवा करेंगे।**

(ङ) मिलते-जुलते शब्द लिखिए–

प्यारी	**न्यारी**	गुणकारी	**हितकारी**
सारी	**प्यारी**	पिलाती	**दुलराती**
मिठाई	**खटाई**	देती	**लेती**
माता	**खाता**	रोज	**भोज**

(च) सही मिलान कीजिए–

1. सुंदर → खेती
2. रोज → सवेरे
3. गोबर → उपला

(छ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

साँझ	**सवेरे**	भारी	**हल्की**
हमारा	**तुम्हारा**	अधिक	**कम**
अंदर	**बाहर**	जलना	**बुझना**

(ज) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

माता	**माँ**	**जननी**	सवेरे	**सुबह**	**दिन**
गौ	**गाय**	**धेनु**	घर	**भवन**	**गृह**
धरा	**भू**	**भूमि**	सूरज	**सूर्य**	**रवि**
गगन	**आकाश**	**आसमान**	सुंदर	**सलोना**	**रमणीय**

आइए कुछ करें

स्वयं करें।

कल्पना की दुनिया

स्वयं करें।

हमने सीखा

समझिए।